IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 8, March 2024

जैविक कपास व सामान्य कपास में तुलनात्मक अध्ययन

Ritu Chouhan
Student, Mansarovar Global University, Bhopal

सार – इस अध्ययन से हमें यह पता चला है कि सामान्य कपास जैविक कपास की तुलना में अधिक क्यों उगाया जाता है वह प्रकृति के लिए कौन सा कपास अधिक लाभकारी है। मनुष्य व जीव जंतुओं के लिए जैविक कपास सबसे बेहतर हैं, किंतु सामान्य कपास के अधिक उत्पादन के कारण जैविक कपास को अधिक नहीं उगाया जाता है सामान्य कपास की खेती अपेक्षा का एक प्रतिशत से भी कम जैविक कपास की खेती की जाती हैं, जिस कारण से हमें गुणवत्तापूर्ण कपास नहीं मिल पाता है, और जैविक कपास बहुत महंगा होता हैं। जिसकी डिमांड विदेशों में अधिक होती है जिस कारण से हमारे भारत को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। जैविक कपास हमारा त्वचा के लिए, स्वाथ्य के लिए बहुत अच्छा हैं।

परिचय– वर्तमान समय में जहां सभी उत्पादों में रसायनों की मिलावट शामिल है उसमें हमारी पारंपरिक खेती करने के तरीकों में भी रासायनिक उर्वरक बीज पाए जाते हैं आज का उपभोक्ता पर्यावरण के प्रति जागरूक तो है ही किंतु अधिक धन के चलते जल्दी फसल पाने चक्कर में किसान रासायनिक खादो बीजों का उपयोग करने को बाध्य रहते हैं कपास को सफेद सोना भी कहा जाता है कपास हमारी पारंपरिक कृषि उत्पादन श्रृंखला का प्रमुख घटक है रासायनिक उर्वरता वाले उत्पादन में पर्यावरणीय चिताओं को और भी बढ़ा दिया है सामान्य खेती में रासायनिक बीजों, खादो का उपयोग दवाईयों के कारण से ऑक्सीजन में कमी पानी का अधिक उपयोग, मिट्टी का कटाव मिट्टी की उर्वरता में कमी जैसे मुद्दे आते हैं। जैविक कपास वे कपास होते हैं, जिनकी खेती पारंपरिक रूप से की जाती है इसमें एक ऐसी प्रक्रिया होती है जो प्रकृति के अनुकूल हैं। जैविक खेती हमारे ग्रामीण परिवेश को और अधिक प्रकृति के अनुकूलन बनाने का एक शानदार तरीका हैं। भारत की प्रमुख फसल कपास ना केवल लाखों कृषकों की आजीविका का स्रोत हैं। बल्कि इसके उपयोग से वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर हैं।

शोध के उद्देश्य

जैविक कपास व सामान्य कपास के निम्न प्रमुख उद्देश्य शामिल किए गए हैं–

1. जैविक कपास सामान्य कपास में अंतर ज्ञात करना।
2. जैविक कपास व सामान्य कपास में जागरूकता का अध्ययन करना।।

जैविक कपास व सामान्य कपास में अंतर

जैविक कपास

जैविक कपास को उसे रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो कीटनाशक हो रासायनिक करो के बिना उगाया जाता है क्योंकि यह खेत की मिट्टी की उर्वरक क्षमता को बढ़ाता है किसानों के स्वास्थ्य के लिए भी सुरक्षित है जैविक कपास में जहरीले रसायनों का उपयोग नहीं किया जाता है जैविक कपास के फायदो के बावजूद दिया आज उगाई जाने वाले कल कपास का एक प्रतिशत से भी काम है इसे उगाने के लिए कम पानी की मात्रा लगती है अर्थात जैविक कपास के बहुत सारे गुण होते हैं जो निम्नलिखित हैं–

1. जैविक कपास अधिक टिकाऊ होते हैं।
2. जैविक कपास में कम पानी का उपयोग होता हैं।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 8, March 2024

3. जैविक कपास में गोबर की खाद या प्राकृतिक खादों का उपयोग किया जाता हैं।
4. जैविक कपास में उपयोग होने वाले खादों से जीव जंतुओं की रक्षा होती हैं।
5. जैविक कपास मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ावा देते हैं।
6. जैविक कपास में काम ऊर्जा का उत्सर्जन होता हैं।
7. जैविक कपास की खेती से ऑक्सीजन अधिक प्राप्त होता हैं।
8. जैविक कपास से बने कपड़े हमारी त्वचा के लिए बहुत अच्छे होते हैं, अर्थात् यह बहुत मुलायम होते हैं, जो कि नवजात शिशुओं के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं।
9. जैविक कपास में सिकुड़ने की क्षमता नहीं होती हैं।
10. जैविक कपास महंगा होता हैं।जैविक कपास सामान्य कपास में जागरूकता का अध्ययन करना।

सामान्य कपास

सामान्य कपास जल्दी तैयार होने वाला विभिन्न कीटनाशकों उसमें रासायनिक खादों का उपयोग होने वाला कपास हैं। सामान्य कपास खेत की मिट्टी की उर्वरक क्षमता को घटाने वाला जीव जंतुओं को नुकसान पहुंचाने वाला होता हैं। इससे बनने वाले वस्त्रों में गांठे अधिक पाई जाती हैं। जैविक कपास तुलना में सामान्य कपास का इसलिए अधिक उगाया जाता हैं, क्योंकि वह जल्दी और समय से पूर्व उगने वाले होते हैं, इनमें ज्यादा कीटनाशकों का प्रयोग से फसल को और अच्छी तरीके से उगाते हैं।

1. सामान्य कपास में टिकाउपन नहीं होता हैं।
2. सामान्य कपास में पानी की मात्रा अधिक लगती हैं।
3. सामान्य कपास में रासायनिक बीजों, दवाइयों व कीटनाशकों का प्रयोग अधिक किया जाता हैं।
4. सामान्य कपास में उपयोग होने वाले कीटनाशकों के कारण जमीन में पाए जाने वाले जीव–जंतुओं को नुकसान होता हैं।
5. साथ ही जंगल में रहने वाले पशु–पक्षियों को भी नुकसान होता हैं।
6. सामान्य कपास में उपयोग होने वाले रासायनिक पदार्थ के कारण खेत की मिट्टी की गुणवत्ता घट जाती है।
7. सामान्य कपास की खेती में कार्बन डाई ऑक्साइड का ज्यादा उत्सर्जन होता हैं।
8. सामान्य कपास के कपड़ों में गांठे अधिक पाई जाती हैं इस कारण से यह घर्षण पैदा करते हैं वह वस्त्र थोड़े दर दरें से महसूस होते हैं।
9. इनमें सिकुड़ने की क्षमता अधिक होती है वह किसी भी धागे के साथ ब्लेड हो जाते हैं।
10. सामान्य कपास जैविक कपास की तुलना में काम महंगा रहता है।

निष्कर्ष

सामान्य कपास जैविक कपास की तुलना में अधिक अधिक उत्पादन किया जाता है क्योंकि यह पैदावार जैविक कपास टिकाऊ तो होता है, मुलायम भी होता हैं। वह प्रकृति के अनुकूल भी है, किंतु यह अधिक महंगा होने के कारण के सामान्य कपास की तुलना में काम पैदावारी या इसकी कम खेती की जाती हैं, किंतु जितने गुण जैविक कपास में होता है उतना गुण सामान्य कपास की में नहीं होता हैं। प्रकृति को बचाना है, तो किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करना होगा, जिस कारण से हमारी प्रकृ

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 8, March 2024

ति जीव जंतु बचे रह सकें। कपास को जैविक रुप से उगाना चाहिए क्योंकि यह लाभदायक हैं। इसका अंतराष्ट्रीय बाजार बढ़ रहा है।. सरकार को आना चाहिए जैविक का समर्थन करने के लिए जिससे आगे कपास का उत्पादन और अधिक बढ़ सकें।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कार्तिकेयन एम आर. जैविक और नियमित सूती बुने हुए कपड़ों का तुलनात्मक अध्ययन अगस्त 2015कपड़ा और परिधान अनुसंधान जर्नल 19(3):45–51 डीओआईः 10:1108 ।आरजेटीए–19–03– 2015– बी006 ।
2. मागेष्वरन वेल्लाइचामी, सुजीत कुमार षुक्ला व अन्य 2019 भारत में जैविक कपास उत्पादन की वर्तमान स्थिति ।
3. https://cariki.co.uk/blogs/the-green-road-/what-is-the-difference-between-organic-cotton-and-regular-cotton